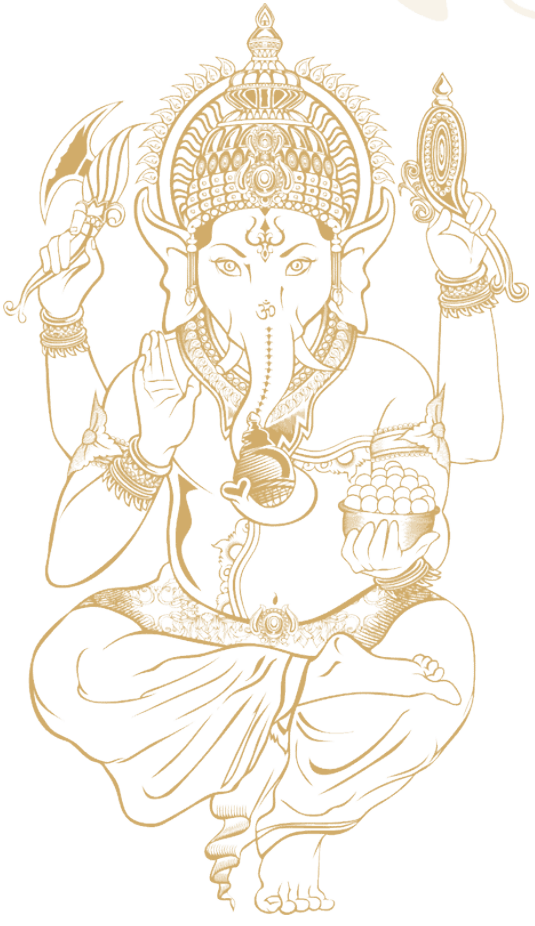

Sashi kant

01 Nov 1990

07:30 AM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121482502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/11/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	02:20:34 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:09:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	09:49:37 घंटे
सूर्योदय	06:33:46 घंटे
सूर्यास्त	17:34:51 घंटे
दिनमान	11:01:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:39:25 तुला
लग्न के अंश	25:47:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:47:46	305:36:50	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			तुला	14:39:25	01:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			मीन	19:18:06	14:34:39	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
मंगल	व		वृष	19:53:36	00:09:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध		अ	तुला	20:53:06	01:35:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	18:31:06	00:05:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	14:31:01	01:15:14	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	26:11:44	00:03:41	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मक	08:27:31	00:10:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	08:27:31	00:10:14	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:47:59	00:02:17	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:27:58	00:01:14	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:36:00	00:02:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	01:23:41	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:57

लग्न-चलित

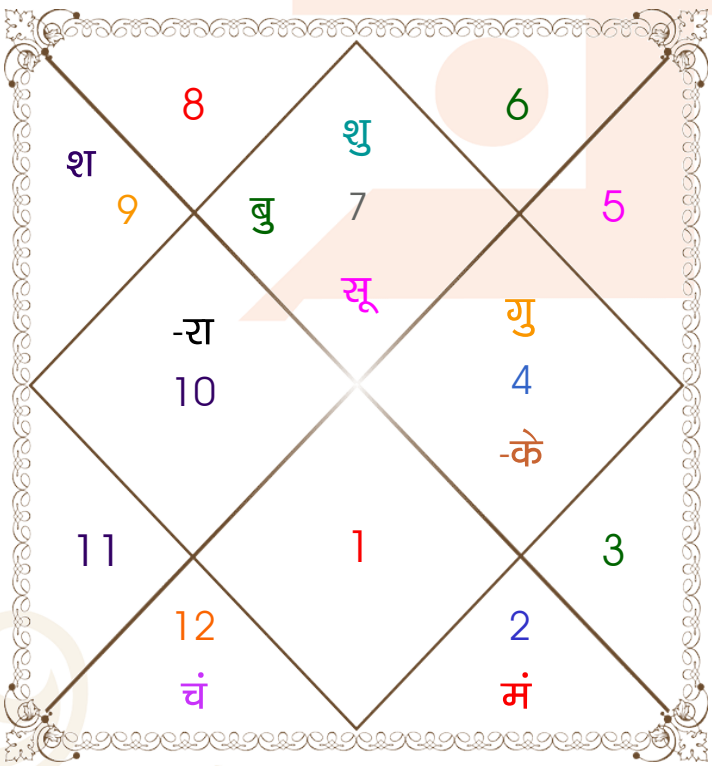

चन्द्र कुंडली

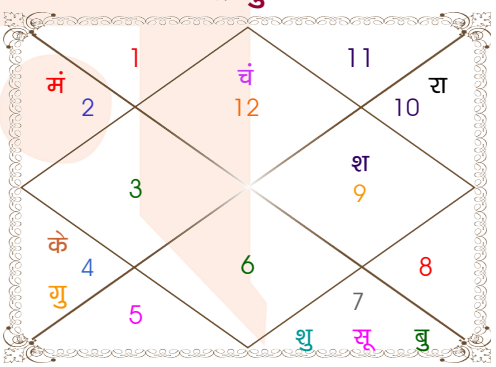

नवमांश कुंडली

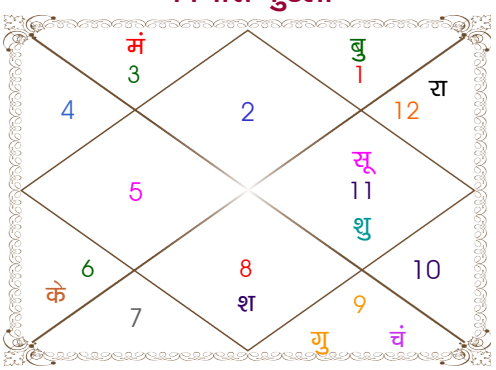

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 7 मास 20 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/11/1990		22/06/2004		23/06/2011		23/06/2031		22/06/2037	
22/06/2004		23/06/2011		23/06/2031		22/06/2037		23/06/2047	
	01/11/1990	केतु	18/11/2004	शुक्र	22/10/2014	सूर्य	10/10/2031	चंद्र	23/04/2038
केतु	16/11/1990	शुक्र	18/01/2006	सूर्य	23/10/2015	चंद्र	10/04/2032	मंगल	22/11/2038
शुक्र	15/09/1993	सूर्य	26/05/2006	चंद्र	22/06/2017	मंगल	16/08/2032	राहु	23/05/2040
सूर्य	23/07/1994	चंद्र	25/12/2006	मंगल	22/08/2018	राहु	11/07/2033	गुरु	22/09/2041
चंद्र	22/12/1995	मंगल	23/05/2007	राहु	22/08/2021	गुरु	29/04/2034	शनि	23/04/2043
मंगल	19/12/1996	राहु	10/06/2008	गुरु	22/04/2024	शनि	11/04/2035	बुध	21/09/2044
राहु	08/07/1999	गुरु	17/05/2009	शनि	23/06/2027	बुध	15/02/2036	केतु	22/04/2045
गुरु	13/10/2001	शनि	26/06/2010	बुध	23/04/2030	केतु	22/06/2036	शुक्र	22/12/2046
शनि	22/06/2004	बुध	23/06/2011	केतु	23/06/2031	शुक्र	22/06/2037	सूर्य	23/06/2047

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/06/2047		23/06/2054		22/06/2072		22/06/2088		24/06/2107	
23/06/2054		22/06/2072		22/06/2088		24/06/2107		00/00/0000	
मंगल	19/11/2047	राहु	05/03/2057	गुरु	10/08/2074	शनि	26/06/2091	बुध	19/11/2109
राहु	06/12/2048	गुरु	29/07/2059	शनि	21/02/2077	बुध	05/03/2094	केतु	02/11/2110
गुरु	12/11/2049	शनि	04/06/2062	बुध	29/05/2079	केतु	14/04/2095		00/00/0000
शनि	22/12/2050	बुध	22/12/2064	केतु	04/05/2080	शुक्र	13/06/2098		00/00/0000
बुध	19/12/2051	केतु	09/01/2066	शुक्र	03/01/2083	सूर्य	26/05/2099		00/00/0000
केतु	16/05/2052	शुक्र	09/01/2069	सूर्य	23/10/2083	चंद्र	26/12/2100		00/00/0000
शुक्र	17/07/2053	सूर्य	04/12/2069	चंद्र	21/02/2085	मंगल	03/02/2102		00/00/0000
सूर्य	21/11/2053	चंद्र	04/06/2071	मंगल	27/01/2086	राहु	10/12/2104		00/00/0000
चंद्र	23/06/2054	मंगल	22/06/2072	राहु	22/06/2088	गुरु	24/06/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।